>

Title: Need to waive off agricultureal loan of the farmers.

श्री उदय प्रताप सिंह (होशंगाबाद): सभापति महोदय, मैं किसानों से जुड़ा एक बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा आपके सामने रखना चाहता हूं। पूर्ववर्ती यू.पी.ए. सरकार ने देश के गरीब किसानों के कल्याण के लिए 1996 से 2000 तक के कृषि ऋण माफ कर दिये थे, जनहित में यह बहुत बड़ा काम किया गया था। देश के लाखों किसान इस योजना से लाभान्वित हुए थे। इस योजना का लाभ बड़े पैमाने पर देश के किसानों को मिला है। कर्ज की वजह से हजारों किसान जो देश में आत्महत्या कर रहे थे, किसानों की कर्ज माफी से उनको बड़ी राहत मिली थी।

इसी क्रम में मेरा आपसे सादर अनुरोध है कि मध्य प्रदेश में मेरे संसदीय क्षेत्र होशंगाबाद-नरसिंहपुर के साथ पूरे प्रदेश में हजारों किसान अभी भी ऐसे हैं, जिनके ऊपर 1996 से पहले का कर्ज बकाया है। वे उन कर्जों के बोझ तले अपना जीवन-यापन कर रहे हैं। इस वजह से उनकी कृषि की उन्नति, उन्हें कृषि उपकरण, खाद, बीज, क्रेडिट-कार्ड जैसी सुविधाएं बैंक द्वारा उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं। मेरा आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि ऐसे मध्य प्रदेश राज्य में, जहां को-ऑपरेटिव सैक्टर पूरा धराशायी हो चुका है, जहां पर भारी भ्रष्टाचार व्याप्त है, उस प्रदेश में मेरा इस सदन के माध्यम से अनुरोध है कि 1996 से पूर्व के किसानों के जो कर्जे बकाया हैं, उनका कर्जा केन्द्र सरकार माफ करे, जिससे वहां किसान बेहतर जीवन-यापन कर सकें।